भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4369
बुधवार, 26 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

आर्टेमिस कार्यक्रम

4369. श्री खगेन मुर्मु:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या इसरो की आर्टेमिस कार्यक्रम में भाग लेने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारतीय अंतरिक्ष यात्री नासा के रॉकेटों से उड़ान भर रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) आर्टेमिस समझौता, आर्टेमिस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के इरादे से सिविल अन्वेषण और बाहरी अंतरिक्ष उपयोग के संचालन में वृद्धि हेतु सिद्धांतों, दिशानिर्देशों और सर्वोत्तम पद्धतियों का एक व्यावहारिक समूह है। भारत 21 जून, 2023 को आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर करके 27वां हस्ताक्षरकर्ता बन गया है। हालाँकि, भारत नासा के नेतृत्व वाले आर्टेमिस कार्यक्रम में भागीदार नहीं है, जो नासा के नेतृत्व में एक मिशन-संचालित पहल है, जिसका उद्देश्य मानव को चंद्रमा और उससे आगे भेजना है। भारत ने अपने अंतरिक्ष विज़न 2047 के तहत अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए अपने स्वयं के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण को रेखांकित किया है। इसमें चंद्र अन्वेषण के लिए चंद्रयान शृंखला और भारतीय अंतरिक्ष केंद्र तक ले जाने वाले गगनयान निरंतरता कार्यक्रम जैसे मिशन शामिल हैं, जो अंतरिक्ष अन्वेषण में प्रगति के लिए भारत के दृष्टिकोण को दर्शाता है। तथापि, इसरो भविष्य में आर्टेमिस कार्यक्रम में भागीदारी की संभावनाओं का पता लगाएगा।

(ख) मेसर्स एक्सिओम स्पेस आईएनसी, यूएसए के साथ अंतरिक्ष उड़ान करार के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) के लिए आगामी इसरो-नासा संयुक्त मिशन हेतु स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन पर एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरिक्ष में भेजने की योजना बनाई गई है।

(ग) यह प्रमोचन वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के दौरान होने की उम्मीद है।

****